राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 29 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-177 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी

- सीजेपी ने रात 1 बजे वीडियो जारी कर दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह जानकारी दी। सौरव ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि (दिल्ली पुलिस के अफसर) मिलने आए थे। हमने उन्हें बताया कि आशंका है कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। उन्होंने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें लिखा है कि सभी प्रोटेस्टर्स की एफआईआर वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी कोई ऐक्शन नहीं लिया जाएगा। हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सरकार ने हमें गारंटी दी है कि ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा, ताकि प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहें। भविष्य में भी उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा।

सभी बड़े पदों पर संघ के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं

पेपर लीक बिल पर लोकसभा में बहस, गोगोई ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में पेपर लीक रोकने वाले विधेयक पर चर्चा का आगाज हो गया है। पब्लिक एग्जामिनेशन्स (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने चर्चा शुरू की। उन्होंने कहा कि यूपीए

सरकार में भी पेपर लीक होते थे। उन्होंने ये भी जोड़ा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं है। वहीं पेपर लीक बिल पर बहस के दौरान गौरव गोगोई ने केंद्र को घेरा। उन्होंने कहा कि सभी बड़े पदों पर आरएसएस के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं की।

जितेंद्र सिंह ने शुरू की बिल पर चर्चा- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेपर लीक बिल पर चर्चा में कहा कि कल इस विधेयक को पेश किया गया था। असल में पहले के बिल - पब्लिक एग्जामिनेशन्स प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स एक्ट 2024 - में एक संशोधन है, जिसे भी इसी सरकार ने पेश किया था। और न सिर्फ पेश किया था, बल्कि यह शायद आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह का पहला बिल था।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

कहा-तकनीकी गड़बड़ी से हटा

पीएम ने छात्रों को मैसेज दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था। इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने

यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। इधर, न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है। मेटा ने पीएम के वीडियो मैसेज को हटाया था।

69 हजार शिक्षक भर्ती में न्याय की नई उम्मीद जगी

- सुप्रीम कोर्ट बोला-सभी पक्षों की सहमति बनी तो आर्टिकल-142 से देंगे फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की बहुचर्चित 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण सुनवाई की। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की डिवीजन बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए एडजस्टमेंट प्लान पर सभी पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की सहमति के आधार पर संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत मामले का एकबारगी निस्तारण करने का सुझाव दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को सहमति बनाने और उसे शपथ-पत्र के माध्यम से अदालत को अवगत कराने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया है। यदि सभी पक्ष सहमत हो जाते हैं, तो 4 अगस्त 2026 को होने वाली अगली सुनवाई में कोर्ट आर्टिकल-142 के तहत मामले का निस्तारण कर सकता है। यदि सहमति नहीं बनती, तो कोर्ट लखनऊ डबल बेंच के फैसले के आधार पर आगे की सुनवाई करेगा और सभी पक्षों के 5-5 वकीलों को विस्तार से बहस का मौका देगा। सुनवाई सुबह करीब 11 बजे कोर्ट नंबर 10 में शुरू हुई।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने रखा सुझाव

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने हस्तक्षेप करते हुए सहमति आधारित समाधान का सुझाव दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को शुक्रवार तक अपनी सहमति शपथ-पत्र के रूप में दाखिल करने को कहा। इस प्रक्रिया के समन्वय के लिए अधिवक्ता मनदीप कालरा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अमरेंद्र पटेल ने कहा कि यदि सरकार 3,324 ओबीसी और 4,946 रिक्त पदों समेत कुल 8,270 पदों पर पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने को तैयार है, तो वे सहमति देने के लिए तैयार हैं। पिछड़ा-दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप और प्रवक्ता राजेश चौधरी ने भी कहा कि हाईकोर्ट के सिंगल और डबल बेंच के सभी याचियों को यदि याची लाभ मिल जाए तो वे भी सहमति के लिए तैयार हैं। सरकार ने शपथ-पत्र में बताया था कि वह 8,270 अतिरिक्त पदों पर नई कट-ऑफ के आधार पर भर्ती करने को तैयार है, जिससे पहले से कार्यरत लगभग 67,000 शिक्षकों की नौकरी भी सुरक्षित रहेगी। भारतीय संविधान का आर्टिकल-142 सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष और व्यापक अधिकार देता है। इसे अदालत की असाधारण शक्तियों वाला प्रावधान माना जाता है।

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करे सरकार

- सुप्रीम आदेश, कहा-छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था

जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

- **छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है-** सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

सुनवाई खत्म, अगली तारीख 3 अगस्त तय

सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पहले याचिका की सभी तकनीकी कमियां दूर की जाएं। इसी दौरान एक वकील ने अपनी याचिका भी सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए छात्रों की मदद के दौरान उन पर भी हमला हुआ था। बेंच ने कहा कि इस मामले पर बुधवार को सुनवाई होगी, जबकि बाकी संबंधित मामलों को सोमवार को सुना जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंतरिम आदेश भी जारी किए जाएंगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई खत्म कर दी।

मामले की स्वतंत्र जांच की जरूरत, कई राज्यों को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा- याचिकाओं में आरोप है कि जंतर-मंतर और दूसरे राज्यों में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। आरोप है कि पेलेट गन और रबर बुलेट से कई छात्र घायल हुए, एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। भीड़ हटाने के लिए इलेक्ट्रिक बैटन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया।

बाढ़ से पत्थरों का सैलाब घरों तक में घुसा मलबा

- हिमाचल के चंबा में बाढ़-बारिश से भारी तबाही

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा स्थगित,झमाझम बारिश

- **बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए,बारिश का अलर्ट-** मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500 किमी एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है। हरियाणा में मौसम विभाग ने अगले दो दिन तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। मंगलवार सुबह से यमुनानगर में बारिश हो रही है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया।

जापान के कुमामोटो में 6.8 तीव्रता का भूकंप

- 40 से ज्यादा घायल,सड़के उखड़ीं दीवारें गिरीं
- 48 हजार घरों की बिजली कटी,मचा हाहाकार

कुमामोटो (एजेंसी)। जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का भूकंप आया है। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई गई थी। जापान मौसम एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र कुमामोटो के तटीय शहर उटो के पास 10 किमी की गहराई में था। शुरुआती झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। रॉयटर्स के मुताबिक, भूकंप के झटकों में अब तक 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। साथ ही, 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि बिजली बहाल करने का काम जारी है। भूकंप के कारण कई इलाकों में सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गईं। कई जगह आग लगने और लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। राहत और बचाव दल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल- जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है।

कश्मीर में 50-फीट

गहरी खाई में गिरी मंदसौर की बस

- एमपी-राजस्थान के 40 श्रद्धालु सवार थे,अमरनाथ दर्शन के बाद वैष्णो देवी के लिए निकले थे

मंदसौर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। इनमें मध्य प्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हुए हैं। दो को गंभीर चोटें आई हैं। हादसा सुबह करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक बस भरी हुई थी।

मंदसौर की कंपनी ने किराए पर ली थी बस

दुर्घटनाग्रस्त बस अजमेर की है। इसे मंदसौर जिले की मां भगवती यात्रा कंपनी के एजेंट ने अमरनाथ यात्रा के लिए हायर किया था। कंपनी की कुल चार बसें यात्रा पर गई थीं, जिनमें से मंदसौर से गई एक बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार बस में मंदसौर, मल्हारगढ़, नीमच जिले के सुवाखेड़ा और बड़नगर क्षेत्र के भी श्रद्धालु थे। सभी घायलों को श्रीनगर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन घायलों की पहचान और उनकी हालत की जानकारी जुटा रहा है। फिलहाल, यात्रियों के इलाज पर ध्यान दिया जा रहा है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस जांच कर रही है। पुलिस प्रशासन इस मामले में पूरी तरह ऐक्टिव है।

उपराज्यपाल ने घायलों की हालत की जानकारी ली

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर घायलों की स्थिति की जानकारी ली है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और हर संभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मंदसौर जिला प्रशासन भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन के संपर्क में है। यात्रियों की स्थिति की जानकारी उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है।

भारी तनाव के बीच एनडीए की मंगल मिलन मीटिंग

- पहली बार टीएमसी से अलग हुए एनसीपीआई के सांसद भी हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस संसदीय दल की बैठक हुई। मंगल मिलन नाम की इस बैठक में पहली बार उन सांसदों ने भी हिस्सा लिया जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर भारत की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। सांसद सयोनी घोष ने कहा, मैंने एनडीए की बैठक में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यह एक ज्ञानवर्धक और जानकारीपूर्ण सत्र था। आज हमने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर चर्चा की। यह एक सकारात्मक चर्चा थी। उन्होंने पेपर लीक विरोधी कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 के लिए भी समर्थन की अपील की। इस बिल पर बुधवार को बाद में चर्चा होनी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रद्धा,समर्पण और आत्मबोध का महापर्व-गुरु पूर्णिमा

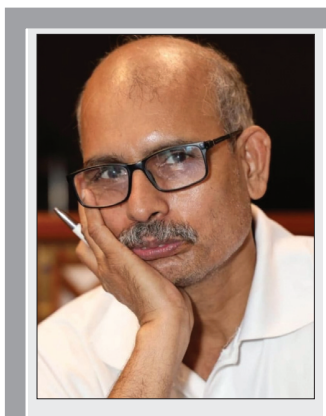

विनोद सिंह

गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

महर्षि वेदव्यास से उपनिषदों तक गुरु-शिष्य परम्परा का अमर आलोक...

भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण आध्यात्मिक वैभव यदि किसी एक सूत्र में पिरोया जा सकता है तो वह है- गुरु।सनातन परम्परा में गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चेतना का जागरण करने वाला वह दिव्य पुरुष है जो शिष्य के भीतर सुप्त ब्रह्मज्ञान को जागृत करता है।संसार में माता- पिता शरीर को जन्म देते हैं,किन्तु गुरु आत्मा का पुनर्जन्म कराते हैं।इसीलिए भारतीय दर्शन ने गुरु को देवताओं से भी उच्च स्थान प्रदान करते हुए उद्घोष किया -'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥' यह केवल स्तुति नहीं,बल्कि भारतीय अध्यात्म का शाश्वत सत्य है।गुरु ही वह सेतु हैं जो जीव को शिव से,जिज्ञासा को ज्ञान से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।गुरु पूर्णिमा उसी सनातन परम्परा के प्रति श्रद्धा,कृतज्ञता और समर्पण का महापर्व है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा भारतीय अध्यात्म में इसलिए भी अत्यंत पवित्र मानी गई है क्योंकि यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती है।भारतीय ज्ञान परम्परा उन्हें केवल महाकवि या ग्रन्थकार के रूप में नहीं,बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है।यदि वेदव्यास न होते तो सम्भवतः वेदों का विशाल ज्ञान सामान्य जन तक कभी व्यवस्थित रूप में नहीं पहुँच पाता।उन्होंने एक अखण्ड वैदिक ज्ञानधारा को चार वेदों- ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद -में व्यवस्थित किया।यही कारण है कि उन्हें 'वेदव्यास' की उपाधि प्राप्त हुई।महर्षि वेदव्यास ने केवल वेदों का विभाजन ही नहीं किया,बल्कि महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया तथा ब्रह्मसूत्र की रचना कर वेदान्त दर्शन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से उन्होंने भक्ति को ज्ञान और वैराग्य के साथ जोड़कर भारतीय अध्यात्म को नई दिशा दी।इसलिए, गुरु पूर्णिमा वस्तुतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उस महर्षि को नमन करने का दिन है,जिन्होंने ज्ञान को सीमित वर्ग से निकालकर सम्पूर्ण मानवता की धरोहर बना दिया।भारतीय संस्कृति में ज्ञान कभी व्यापार नहीं रहा।वह सदैव साधना का विषय रहा है।यही कारण है कि यहाँ शिक्षा का प्रारम्भ 'विद्या' से होता है और उसका समापन 'ब्रह्मविद्या' पर। वेदों में ज्ञान का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं,बल्कि जीवन का आलोक है।ऋग्वेद का उद्घोष - 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएँ-भारतीय ज्ञान परम्परा की उदारता का प्रतीक है।वहीं यजुर्वेद का संदेश-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'-अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल-वस्तुतः गुरु की ही भूमिका का दार्शनिक प्रतिपादन है।उपनिषदों में गुरु का स्वरूप और भी विराट हो जाता है।वहाँ गुरु केवल उपदेशक नहीं,बल्कि सत्य का साक्षात अनुभव कराने वाले महापुरुष हैं। मुण्डकोपनिषद् स्पष्ट कहता है - 'तद्विज्ञानार्थंसगुरुमेवाभिगच्छेत्।' अर्थात ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गुरु के पास ही जाना चाहिए।यह आदेश नहीं, बल्कि अनुभव का निष्कर्ष है। आत्मज्ञान पुस्तकों से नहीं, अनुभूति से प्राप्त होता है और अनुभूति का मार्ग गुरु ही दिखाते हैं।उपनिषदों के अनेक प्रसंग गुरु-शिष्य परम्परा की गरिमा को अमर बनाते हैं।कठोपनिषद् में नचिकेता का यमराज से संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं,बल्कि जिज्ञासा,धैर्य और सत्य की साधना का अनुपम उदाहरण है।छान्दोग्य उपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहते हैं 'तत्त्वमसि' अर्थात वही परम सत्य तुम स्वयं हो।यह केवल

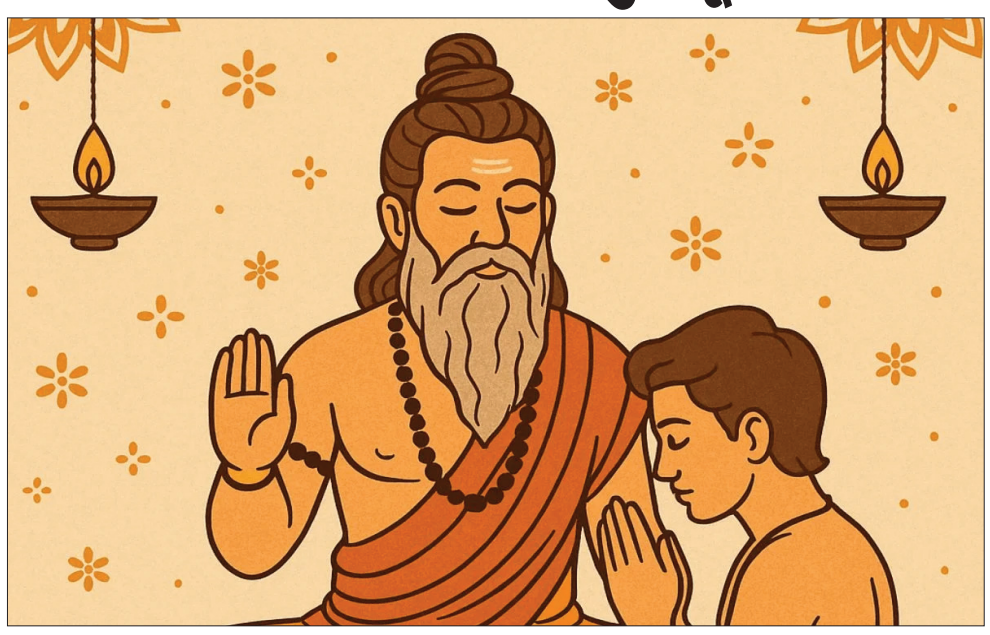

दार्शनिक वाक्य नहीं,बल्कि आत्मबोध की पराकाष्ठा है।इसी प्रकार सत्यकाम जाबाल की सत्यनिष्ठा को देखकर ऋषि गौतम उन्हें शिष्य रूप में स्वीकार करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय गुरु परम्परा में जन्म नहीं,बल्कि सत्य और पात्रता का सम्मान था।गुरु और शिष्य का सम्बन्ध किसी अनुबंध पर नहीं,बल्कि श्रद्धा पर आधारित होता है।श्रद्धा वह भूमि है जहाँ ज्ञान का बीज अंकुरित होता है। सेवा उस बीज को पोषण देती है।समर्पण उसे वृक्ष बनाता है और साधना उसके फल को अमृत बना देती है।इसलिए भारतीय परम्परा में गुरु सेवा को साधना का अभिन्न अंग माना गया है।सेवा का अर्थ केवल शारीरिक श्रम नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य अपना अहंकार गुरु के चरणों में रख देता है,तभी उसके भीतर ज्ञान का उदय होता है।इसी कारण भारतीय दर्शन में कहा गया है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं,बल्कि अहंकार है।जिस पात्र में पहले से ही अपने ज्ञान का अभिमान भरा हो,उसमें गुरु नया ज्ञान कैसे भरेंगे? इसलिए गुरु के समीप पहुँचने से पहले शिष्य को अपने भीतर विनम्रता,संयम और श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करना पड़ता है।भारतीय गुरुकुल व्यवस्था इसी दर्शन पर आधारित थी।वहाँ शिक्षा केवल शास्त्रों का अध्ययन नहीं थी।शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर सेवा,अनुशासन, तप,संयम,आत्मसंयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अभ्यास करता था।ज्ञान जीवन का व्यवहार बनता था।शिक्षा का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था।इसीलिए उस व्यवस्था से निकले विद्यार्थी केवल विद्वान नहीं,बल्कि ऋषि,दार्शनिक,योद्धा, नीति-निमार्ता और लोकमंगल के साधक बने।भारतीय अध्यात्म में गुरु का सबसे बड़ा कार्य शिष्य को स्वयं से परिचित कराना है।संसार का प्रत्येक ज्ञान बाहर से प्राप्त किया जा सकता है,किन्तु आत्मज्ञान भीतर से ही प्रकट होता है।गुरु उस भीतरी द्वार को खोलते हैं जहाँ आत्मा का साक्षात्कार होता है।इसलिए संत कबीर ने अत्यन्त सरल किन्तु गहन शब्दों में कहा– 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥' कबीर का यह दोहा भारतीय त अध्यात्म का सार है।ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं।इसलिए गुरु का सम्मान व्यक्ति-पूजा नहीं,बल्कि ज्ञान-पूजा है।गुरु पूर्णिमा उसी ज्ञान-ज्योति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है,जिसने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को आलोकित रखा है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु की वंदना तक सीमित नहीं है,बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्रद्धा,सेवा, समर्पण और साधना- ये चार स्तम्भ गुरु-शिष्य संबंध की आधारशिला हैं।श्रद्धा के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता,सेवा के बिना विनम्रता नहीं आती,समर्पण के बिना अहंकार का क्षय नहीं होता और साधना के बिना आत्मबोध संभव नहीं है।यही कारण है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को केवल बौद्धिक उपलब्धि नहीं माना,बल्कि जीवन की तपश्चर्या का परिणाम बताया।भारतीय दर्शन में श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है।श्रद्धा सत्य को जानने की उत्कट इच्छा है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।'अर्थात श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान प्राप्त करता है।श्रद्धा वह प्रकाश है जो शिष्य को गुरु के वचनों का वास्तविक अर्थ समझने की पात्रता प्रदान करता है।जहाँ श्रद्धा समाप्त होती है,वहाँ शिक्षा सूचना बन जाती है; जहाँ श्रद्धा जीवित रहती है,वहीं शिक्षा आत्मबोध का माध्यम बनती है।सेवा भारतीय गुरु-परम्परा का दूसरा अनिवार्य आयाम है।गुरु की सेवा का तात्पर्य केवल उनके आश्रम या निवास की व्यवस्था करना नहीं था,बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना था।गुरु के प्रति विनम्रता, अनुशासन,संयम और कर्तव्यनिष्ठा ही वास्तविक सेवा मानी गई।सेवा शिष्य के भीतर छिपे अहंकार को गलाकर उसे ज्ञान ग्रहण करने योग्य बनाती है। भारतीय गुरुकुलों में यही कारण था कि राजकुमार और सामान्य परिवार का बालक समान रूप से आश्रम की सेवा करते थे।वहाँ पद,प्रतिष्ठा और संपत्ति का नहीं,बल्कि संस्कार और साधना का महत्व था।समर्पण गुरु-शिष्य परम्परा का तीसरा सोपान है।समर्पण का अर्थ अपनी बुद्धि का परित्याग नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य यह स्वीकार करता है कि सत्य उससे बड़ा है और गुरु उस सत्य के अनुभवी पथप्रदर्शक हैं,तभी उसके भीतर ज्ञान का वास्तविक उदय होता है।उपनिषदों के सभी महत्त्वपूर्ण संवाद इसी समर्पण की भूमि पर खड़े हैं।प्रश्न करना भारतीय परम्परा में वर्जित नहीं था,किन्तु प्रश्न के पीछे जिज्ञासा होनी चाहिए,अहंकार नहीं।यही कारण है कि उपनिषदों के संवाद आज भी विश्व की महानतम दार्शनिक धरोहर माने जाते हैं।साधना इन सबका चरम रूप है।साधना केवल जंगलों में तपस्या का नाम नहीं है।अपने विचारों को शुद्ध करना,इन्द्रियों पर संयम रखना, सत्य का पालन करना,करुणा का विस्तार करना और निरन्तर आत्मचिंतन करते रहना भी साधना है।गुरु शिष्य को बाहरी संसार से भागना नहीं सिखाते, बल्कि संसार के बीच रहते हुए स्वयं पर विजय प्राप्त करना सिखाते हैं।भारतीय अध्यात्म का यही वैशिष्ट्य है कि वह जीवन से पलायन नहीं,बल्कि जीवन का परिष्कार सिखाता है।सनातन परम्परा के महान आचार्यों- आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, 'मध्वाचार्य,निम्बाकाचार्य, वल्लभाचार्य, रामानन्द,चैतन्य महाप्रभु,गुरु नानक देव,संत कबीर,संत रविदास,तुलसीदास और स्वामी विवेकानन्द- सभी ने अपने-अपने समय में गुरु परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की।युग बदलते रहे,परिस्थितियाँ बदलती रहीं,किन्तु गुरु का स्वरूप नहीं बदला।उन्होंने समाज को केवल धर्म नहीं दिया,बल्कि सत्य, करुणा,समानता और मानवता का मार्ग भी दिखाया।आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल तकनीक और त्वरित सूचना का युग है।ज्ञान के स्रोत पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं,किन्तु मनुष्य के भीतर शांति,संतुलन और आत्मविश्वास का संकट भी उतना ही गहरा हुआ है।सूचना का विस्तार हुआ है,परन्तु आत्मबोध का विस्तार नहीं हो पाया।ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।आधुनिक तकनीक हमें जानकारी दे सकती है,किन्तु विवेक नहीं,वह उत्तर दे सकती है,किन्तु जीवन का उद्देश्य नहीं बता सकती।यही कार्य गुरु करते हैं।गुरु मनुष्य को केवल सफल नहीं,बल्कि सार्थक बनाते हैं।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक गुरु होते हैं।माता-पिता प्रथम गुरु हैं, शिक्षक विद्या के गुरु हैं,प्रकृति मौन गुरु है,अनुभव जीवन का गुरु है और अंततः आत्मा स्वयं परम गुरु की ओर ले जाने वाला सेतु बन जाती है।इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु का स्वरूप सीमित नहीं,बल्कि विराट है।जहाँ कहीं से भी सत्य का प्रकाश प्राप्त हो,वही गुरु है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल औपचारिक कार्यक्रम या पुष्पांजलि तक सीमित न रखें।यदि हम वास्तव में इस पर्व का सम्मान करना चाहते हैं तो अपने जीवन में सत्य,अनुशासन, विनम्रता,सेवा,करुणा और आत्मसंयम को स्थान दें।यही महर्षि वेदव्यास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सम्मान भी।महर्षि वेदव्यास ने जिस ज्ञान-गंगा को प्रवाहित किया,वह आज भी उतनी ही निर्मल और प्रासंगिक है।वेदों का प्रकाश,उपनिषदों की अनुभूति, पुराणों की प्रेरणा और महाभारत का जीवन-दर्शन-इन सबका मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना है।गुरु पूर्णिमा उसी अमर परम्परा का स्मरण- पर्व है,हमें बताती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष है।अंततः गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने और चांदी के दाम में भारी गिरावट

सोना 710 रुपए गिरकर 1,42,353, चांदी लगभग 2.18 लाख रुपए प्र ति किलो

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति बैठक के नतीजों की आशंका से निवेशक सतर्क हो गए हैं। इसका सीधा असर मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों पर देखने को मिला, जहां वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन बहुमूल्य धातुओं में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की यह सतर्कता मुख्य रूप से फेड रिजर्व द्वारा भविष्य में ब्याज दरों को लेकर लिए जाने वाले संभावित निर्णयों से उपजी है। आमतौर पर, जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो सोने जैसी बिना ब्याज वाली संपत्तियों की अपील कम हो जाती है, क्योंकि निवेशक उच्च रिटर्न देने वाली अन्य परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 4,100 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसलकर 4,050 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। मंगलवार सुबह यह 4,083 डॉलर पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 4,077 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने तक सोना 28.30 डॉलर की गिरावट के साथ 4,048.70 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज किया गया। इसी तरह, चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे गिरकर लगभग 57.50 डॉलर पर आ गई। कॉमेक्स पर चांदी 58.74 डॉलर पर खुली थी और वर्तमान में 1.14 डॉलर की गिरावट के साथ 57.57 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी कीमती धातुओं में तेज गिरावट देखी गई। सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 710 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,353 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,43,063 रुपये था। खबर लिखे जाने तक, यह कॉन्ट्रैक्ट 863 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,200 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 618 रुपये की गिरावट के साथ 2,20,555 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 2,21,173 रुपये था। वर्तमान में, चांदी 3,097 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 2,18,076 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर लिए जाने वाले संभावित फैसलों का सीधा असर सोने और चांदी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्तियों पर पड़ेगा, जिससे निवेशक कोई जोखिम लेने से बच रहे हैं।

राज्य सरकारों को अगले 5 साल में देना होगा 24 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान- रिपोर्ट

एक रिपोर्ट के मुता बिक वित्त वर्ष 2028-32 के दौरान परिपक्व होंगी 24 लाख करोड़ की प्रतिभूतियां

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट में चेताया गया है कि भारतीय राज्य सरकारों को आगामी पांच वित्तीय वर्षों (वित्त वर्ष 2028-32) में लगभग 24 लाख करोड़ रुपये की राज्य सरकार प्रतिभूतियों (एसजीएस) का पुनर्भुगतान करना होगा। यह पिछली अवधि की तुलना में 1.7 गुना अधिक है, जो राज्यों पर एक बड़ा वित्तीय बोझ डालेगा। इक्रा के अनुसार 31 मार्च तक कुल 73 लाख करोड़ रुपये के बकाया एसजीएस स्टॉक में से यह राशि चुकानी होगी। इस बड़ी परिपक्वता के चलते अगले पांच वर्षों में एसजीएस जारी करने की दर अधिक रहने की उम्मीद है। राज्यों में, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात इस पुनर्भुगतान का 44 फीसदी वहन करेंगे, जिसमें से प्रत्येक राज्य को 2.1 से 3.1 लाख करोड़ रुपये चुकाने होंगे। आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान और पश्चिम बंगाल को भी 1 से 2 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा, जो कुल का एक तिहाई होगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद से ब्रेंट 85 डॉलर के नीचे फिसला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। लगातार दूसरे दिन दोनों पक्षों की ओर से हमलों में विराम और बातचीत की संभावना जताए जाने से निवेशकों की चिंताएं कम हुई हैं। खबर लिखे जाने तक, ब्रेंट क्रूड (अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट) 1.27 फीसदी गिरकर 84.78 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड (सितंबर कॉन्ट्रैक्ट) 1.48 फीसदी टूटकर 81.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 69.86 अंक, निफ्टी 50 अंक गिरा

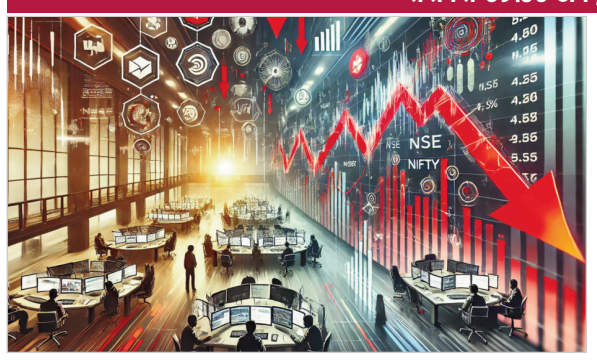

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 69.86 अंक नीचे आकर 76,765.92 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 अंक फिसलकर 23,985.35 पर बंद हुआ। आज मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में मिश्रित रुख देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही।

अन्य क्षेत्रों का प्रदर्शन भी मिला-जुला रहा, जिसमें निफ्टी आईटी बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी बढ़त रही। निफ्टी ऑटो भी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी फार्मा में तेजी रही। निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के अलव मेटल शेयर भी गिरे जबकि निफ्टी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। । निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मीडिया के शेयर नीचे आये।

निफ्टी में आज टीसीएस के शेयर उछले जबकि टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया, सिप्ला , टाइटन और इंफोसिस भी ऊपर आये। वहीं, पहली तिमाही के परिणामों के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जिसके शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) , कोल इंडिया और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर भी गिरे। पिछले सत्र में जोरदार बढ़त के बाद मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर अनिश्चितताएं बाजार पर दबाव बना रहीं थीं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। अमेरिका-ईरान वार्ता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया, जिससे सेंसेक्स 141.32 अंक की बढ़त के साथ 76,977.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी50 31.90 अंक चढ़कर 24,027.85 के स्तर पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.78 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 35 पैसे की बढ़त के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.64 पर पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से भी भारतीय रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में डॉलर के मुकाबले 95.64 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.99 पर बंद हुआ था। इससे पहले शुक्रवार को भी इसमें 20 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.31 पर रहा।

गोल्ड लोन से बैंकों की कमाई बढ़ी

इंडियन ओवरसीज बैंक ने एक तिमाही में कमाए 863 करोड़

गोल्ड लोन का कारोबार 514 लाख करोड़ का

मुंबई, ।

देश में सोने के बदले दिए जाने वाले ऋण (गोल्ड लोन) की बढ़ती मांग का सीधा लाभ बैंकों को मिल रहा है। हाल के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इंडियन ओवरसीज बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।जिसमें गोल्ड लोन कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, वाणिज्यिक बैंकों का कुल गोल्ड लोन व्यवसाय लगभग 105 प्रतिशत बढ़कर 5.14 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की ऊंची कीमतों, आसान ऋण प्रक्रिया और अन्य ऋणों की तुलना में कम जोखिम के कारण गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के लोग भी अल्पकालिक वित्तीय जरूरतों के लिए गोल्ड लोन का सहारा ले रहे हैं। इससे बैंकों की ब्याज आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि यदि सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं।लोन की मांग में इसी तरह से वृद्धि जारी रहती है, तो आने वाली तिमाहियों में भी गोल्ड लोन बैंकों के लिए सबसे तेजी से कमाई करने वाला कारोबार होगा।

एचयूएल का पहली तिमाही का मुनाफा घटकर 2,680 करोड़ रहा, बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली।

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 3.17 प्रतिशत घटकर 2,680 करोड़ रुपए रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका मुनाफा 2,768 करोड़ रुपए था।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से राजस्व 10.26 प्रतिशत बढ़कर 17,149 करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले की समान तिमाही में 15,552 करोड़ रुपए था। एचयूएल ने अपने आय विवरण में कहा कि यह पिछले 13 तिमाहियों की सर्वाधिक वृद्धि है। इस दौरान अंडरलाइंग सेल्स ग्रोथ (यूएसजी) 10 प्रतिशत रही। कंपनी ने कहा कि अस्थिर कारोबारी माहौल के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में उसका ईबीआईटीडीए मार्जिन 23 प्रतिशत रहा, जो उसके अनुमानित दायरे के भीतर है।

अप्रैल-जून तिमाही में कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 3,947 करोड़ रुपए हो गई। आलोच्य तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 10 प्रतिशत बढ़कर 13,822 करोड़ रुपए हो गया। अन्य आय सहित कुल आय 9.84 प्रतिशत बढ़कर 17,529 करोड़ रुपए रही।

एमफे सिस एआई- ग्राहक के द्वार पर विशेषज्ञ इंजीनियर बदल रहा काम का तरीका

एआई डील पाइपलाइन में 70 फीसदी हिस्सेदारी, तेजी से बढ़ रहा कारोबार

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार फॉरवर्ड-डिप्लॉयड इंजीनियर मॉडल के तहत छोटी टीमें पहले एआई का फायदा दिखाती हैं, जिससे बड़े सौदों की राह आसान होती है। एआई डील पाइपलाइन में 70 फीसदी हिस्सेदारी, तेजी से बढ़ रहा कारोबार। एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही आईटी कंपनियों के कामकाज का तरीका भी तेजी से बदल रहा है। इसी कड़ी में प्रमुख आईटी सेवा प्रदाता एमफे सिस ने एआई परियोजनाओं को संभालने के लिए एक अभिनव रणनीति अपनाई है, जिसे फॉरवर्ड-डिप्लॉयड इंजीनियर मॉडल कहा जा रहा है। इस मॉडल के तहत, कंपनी 3 से 5 बेहद कुशल इंजीनियरों की छोटी टीमों को सीधे ग्राहकों के पास तैनात कर रही है, ताकि वे कम समय में एआई प्लेटफॉर्म से होने वाले वास्तविक व्यावसायिक लाभों का प्रदर्शन कर सकें और बड़े सौदों की नींव रख सकें। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि इस मॉडल में, विशेषज्ञ इंजीनियरों की छोटी टीम ग्राहक के साथ शुरुआती चरण में काम करती है। इनका मुख्य काम शुरुआत में पूरे सिस्टम में एआई लागू करना नहीं होता, बल्कि एक छोटे स्तर पर यह दिखाना होता है कि एआई से ग्राहक को तत्काल क्या फायदा हो सकता है। इन अनुभवी इंजीनियरों की सेवाओं के लिए कंपनी ज्यादा फीस लेती है। जब ग्राहक को इस दृष्टिकोण पर भरोसा हो जाता है और वह फायदे को समझ लेता है, तब एमफे सिस अपनी बड़ी टीम को तैनात कर पूरे कारोबार में एआई समाधानों को लागू करती है। यह मॉडल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एआई प्रोजेक्ट सामान्य आईटी प्रोजेक्ट से भिन्न होते हैं कई बार ग्राहकों को खुद नहीं पता होता कि एआई का सबसे प्रभावी उपयोग कहां किया जाए। ऐसे में, बड़ी टीम लगाने के बजाय, यह छोटी टीम ग्राहक की समस्या को समझती है, एक छोटा डेमो तैयार करती है और एआई से संभावित लाभों को स्पष्ट करती है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है और बड़े सौदों के अंतिम रूप लेने की संभावना भी अधिक हो जाती है। एमफे सिस के एआई कारोबार में इस रणनीति का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। जून तिमाही में कंपनी की 63 फीसदी नई डील एआई से संबंधित थीं।

एशियाई बाजारों में भारी गिरावट, कोस्पी 8.7 फीसदी लुढ़का

मुंबई ।

अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के चलते मंगलवार को एशियाई शेयर बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का प्रमुख कोस्पी इंडेक्स 8.70 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान के निक्केई 225 ने भी 4.21 फीसदी का गोता लगाया, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। कारोबार के दौरान, दक्षिण कोरियाई बेंचमार्क कोस्पी इंडेक्स में 8.70 फीसदी की भारी गिरावट आई, वहीं स्मॉल-कैप कोस्डैक इंडेक्स 3.63 फीसदी कमजोर हुआ। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 4.21 फीसदी नीचे रहा और टॉपिक्स इंडेक्स भी 0.63 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी और एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 0.38 फीसदी फिसल गया। शियाई बाजारों में यह दबाव सोमवार को वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई तेज बिकवाली के बाद आया। हालांकि, अमेरिकी बाजार मिला-जुला बंद हुए, जहां डॉव जोन्स 0.51 फीसदी ऊपर और एसएंडपी 500 मामूली 0.02 फीसदी बढ़कर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक 0.18 फीसदी गिरकर बंद हुआ था। अब निवेशक अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के आगामी तिमाही नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर की भविष्य की ग्रोथ पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

बाजार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि यह बिकवाली एक अस्थायी झटका है या कोई गहरा ट्रेंड है।

कृषि विकास में अनुसंधान का एक तिहाई योगदान- आईसीएआर रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 और 2025 के बीच भारतीय कृषि उत्पादन में हुई कुल बढ़ोतरी का एक तिहाई हिस्सा (लगभग 50,000 करोड़ रुपये) कृषि अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) की देन है। इस अवधि में कुल कृषि उत्पादन में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। आईसीएआर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने संस्थान के 98वें स्थापना दिवस पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण योगदान उच्च उपज वाले बीजों, उन्नत मशीनीकरण और बागवानी फसलों के लिए बेहतर जर्मप्लाज्म जैसी पहलों के माध्यम से संभव हुआ है। जाट के अनुसार, यह आंकड़ा मछली पालन और पशुधन सहित सभी क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि के मूल्य को जोड़कर निकाला गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फसल क्षेत्र में लगभग 60,000 करोड़ रुपये और बागवानी में 20,000 करोड़ रुपये का उत्पादन बढ़ा। वहीं, पशुधन उत्पादन में 50,000 करोड़ रुपये और मछली उत्पादन में 40,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य सृजित हुआ।

जाट ने स्पष्ट किया कि कुल वृद्धि के पीछे अनुसंधान व विकास के साथ-साथ सरकारी विकास कार्यक्रम और किसानों की कड़ी मेहनत का भी बराबर योगदान रहा, प्रत्येक का लगभग एक तिहाई हिस्सा।

सरकार और आरबीआई की मुहर, अब प्लास्टिक के होंगे 10 और 20 के नोट

नई दिल्ली ।

भारतीय करेंसी ने पिछले एक दशक में कई बड़े बदलाव देखे हैं, नोटबंदी से लेकर 2000 के नोटों की वापसी तक। अब इसी कड़ी में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और केंद्र सरकार ने 10 और 20 रुपये के नोटों को कागज की बजाय प्लास्टिक (पॉलिमर) में छापने पर सहमति जता दी है। यह कदम नोटों की जीवन अवधि बढ़ाने, उन्हें साफ रखने और बेहतर सुरक्षा फीचर्स से लैस करने की दिशा में देखा जा रहा है, क्योंकि प्लास्टिक के नोट कागज के मुकाबले ज्यादा टिकाऊ होते हैं। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट, 1934 की धारा 25 के तहत एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था, जिसमें 10 और 20 रुपये के 1 अरब पॉलिमर नोट ट्रायल बेसिस पर छापने का सुझाव दिया गया था। सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो भविष्य में इन्हीं प्लास्टिक नोटों को चलन में रखा जा सकता है, जिससे बार-बार नोट छापने की लागत और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सकेगा। भले ही करेंसी नोटों को जारी करने का अधिकार आरबीआई के पास होता है, लेकिन वह अपनी मर्जी से जितने चाहे नोट नहीं छाप सकता। इसके लिए आरबीआई का केंद्रीय बोर्ड पहले नोट छापने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजता है और सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही उस पर अमल किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि देश की मुद्रा प्रणाली में कोई भी बड़ा बदलाव सरकार और केंद्रीय बैंक के बीच पूर्ण सहमति और समन्वय से हो।

चैटजीपीटी अब समझेगा आपकी सेहत का राज! एप्पल हेल्थ डेटा से जुड़ेगा नया फीचर

चैटजीपीटी देगा व्यक्तिगत सला; प्राइवेसी का भी रखा गया है पूरा ध्यान

मुंबई ।

ओपनएआई ने अपने लोकप्रिय एआई चैटबॉट, चैटजीपीटी में एक महत्वपूर्ण हेल्थ फीचर पेश किया है। अब उपयोगकर्ता अपने एप्पल हेल्थ डेटा और समर्थित मेडिकल रिकॉर्ड्स को चैटजीपीटी से जोड़ पाएंगे, जिससे एआई आपकी स्वास्थ्य जानकारी को समझकर अधिक सटीक और व्यक्तिगत जवाब दे सकेगा। यह सुविधा फिलहाल अमेरिका में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लॉग-इन यूजर्स के लिए वेब और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। यह नया फीचर यूजर की जटिल मेडिकल रिपोर्ट्स, जैसे लैब रिपोर्ट या ब्लड टेस्ट के नतीजों को सरल भाषा में समझाएगा। साथ ही, यह पुरानी रिपोर्ट्स से तुलना कर बदलाव बताएगा और डॉक्टर से परामर्श से पहले महत्वपूर्ण सवाल सुझाने में भी मदद करेगा। उपयोगकर्ता की अनुमति से चैटजीपीटी दवाइयों, एलर्जी, मेडिकल विजिट, लैब रिपोर्ट, नींद और दैनिक गतिविधियों जैसी जानकारी का विश्लेषण कर व्यक्तिगत सलाह देगा। इससे हर बार हेल्थ हिस्ट्री बताने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फीचर चैट में एट द रेट हैल्थ कमांड के जरिए काम करेगा और सिर्फ रिपोर्ट्स समझाने तक सीमित नहीं है, बल्कि फूड एलर्जी, डाइट प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए खानपान के सुझाव और बेहतर हेल्थ रूटीन बनाने में भी सहायक होगा।

टाटा संस ने 18 अगस्त को बुलाई एजीएम, नेतृत्व और कोरम पर सस्पेंस

चेयरमैन चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल पर सबकी निगाहें

नई दिल्ली।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस 18 अगस्त को अपनी 108वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) बुला रही है। 100 साल से अधिक के इतिहास में यह पहली बार है जब बैठक असाधारण परिस्थितियों में हो रही है। कोरम की अनिश्चितता और चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल का प्रस्ताव बैठक के केंद्र में हैं। एजीएम का मुख्य एजेंडा चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल का है। उनका कार्यकारी चेयरमैन के रूप में दूसरा कार्यकाल फरवरी 2027 तक है, लेकिन नेतृत्व पर सवाल हैं। टाटा ट्रस्ट्स (66 फीसदी हिस्सेदारी) ने पिछले वर्ष उनके कार्यकाल को पांच वर्ष बढ़ाने का समर्थन किया था, पर इस वर्ष ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने आपत्तियां उठाई हैं।

कंपनी की संभावित लिस्टिंग भी एक अन्य लंबित मुद्दा है। बैठक के कोरम को लेकर भी अनिश्चितता है, हालांकि कानूनी राय है कि एक शेयरधारक ट्रस्ट की गैर-मौजूदगी में भी बैठक हो सकती है। अगर 18 अगस्त को बॉम्बे हाउस स्थित टाटा संस मुख्यालय में प्रस्तावित एजीएम कोरम पूरा नहीं होने के कारण नहीं हो पाती है, तो टाटा ट्रस्ट्स, अन्य टाटा समूह की कंपनियों और शापूरजी पलोनजी समूह सहित सभी शेयरधारकों को मिलने वाला लाभांश प्रभावित होगा। टाटा संस का टाटा ट्रस्ट्स को दिया जाने वाला वार्षिक लाभांश उसके मुनाफे पर निर्भर करता है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने टाटा ट्रस्ट्स को करीब 1,731 करोड़ रुपये का लाभांश दिया था। टाटा ट्रस्ट्स मुख्य रूप से एक परोपकारी संस्था है।

क्रिप्टो लेनदेन पर सीबीडीटी की पैनी नजर

एक्सचेंजों को आयकर विभाग को देनी होगी विस्तृत जानकारी

मुंबई ।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन पर निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य से, सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण गाइडेंस नोट जारी किया है। इस नए निर्देश के तहत, सभी क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्रोकर और संबंधित मध्यस्थों को अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (वीडीए) के हर लेनदेन का ब्यौरा आयकर विभाग के साथ साझा करना अनिवार्य होगा। यह कदम संसद की स्थायी समिति की सिफारिश के बाद उठाया गया है। यह पहल ऑर्गनाइजेशन फॉर इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) द्वारा विकसित क्रिप्टो-एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुरूप है। इसका मुख्य उद्देश्य क्रिप्टो लेनदेन में पारदर्शिता लाना, वैश्विक टैक्स जानकारी के आदान-प्रदान को सुगम बनाना और आयकर विभाग को निवेशकों के रिटर्न में दी गई जानकारी का वास्तविक ट्रांजैक्शन से मिलान करने में मदद करना है, जिससे एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट की सटीकता बढ़ेगी। हालांकि, इस नए गाइडेंस से क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मौजूदा टैक्स नियमों में कोई बदलाव नहीं आया है। वीडीए से होने वाले लाभ पर 30 फीसदी की फ्लैट टैक्स दर यथावत रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसान के बेटे

सर्वेश ने रचा इतिहास

भारत को हाई जंप में पहला रजत पदक

ग्लास्गो(एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय एथलीट ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

काउंटबैक में स्वर्ण से चूके

सर्वेश और जमैका के रोमेन बेकफोर्ड दोनों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पर दोनों असफल रहे। इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर फैसला हुआ। बेकफोर्ड ने कम असफल प्रयास किए थे, इसलिए उन्हें स्वर्ण पदक मिला, जबकि सर्वेश को रजत से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेत से कॉमनवेल्थ पोडियम तक का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव निवासी सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते हैं। बचपन में सुविधाओं की कमी के कारण उनके पिता और पहले कोच ने मकई के छिलकों, कपास और खेतों के अन्य अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार की, ताकि सर्वेश हाई जंप का अभ्यास कर सकें।

बढ़ा आत्मविश्वास

सर्वेश हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसी महीने उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 2.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले भारत के चौथे एथलीट बने थे। इससे पहले उन्होंने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सर्वेश कुशारे को बधाई देते हुए लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुष हाई जंप में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को हार्दिक बधाई। उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता काबिल-ए-तारीफ है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को उन पर गर्व है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना करता हूं।'

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना चाहता हूं

अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद सर्वेश ने कहा, 'यह मेरा पहला पदक है और किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहला पदक है। एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम प्रतियोगिताएं हैं। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इसके साथ ही मैं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं।' मुकाबले के आखिरी प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं हर ऊंचाई को पहले ही प्रयास में पार करना चाहता था। यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।'

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

तेजस्विन शंकर ने जीता दिल: चोटिल होकर नहीं खेल पाए तो रो पड़े!

- *फिर भारत को रजत पदक दिलाने में इस तरह की मदद*

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर के लिए सोमवार का दिन बेहद भावुक रहा। घुटने की पुरानी चोट उभर आने के कारण उन्हें पुरुष हाई जंप स्पर्धा से बीच में ही हटना पड़ा, लेकिन अपने पदक का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान साथी खिलाड़ी सर्वेश कुशारे के साथ खड़े रहे और उन्हें तकनीकी सलाह देते रहे। तेजस्विन की यही सलाह सर्वेश के लिए निर्णायक साबित हुई और उन्होंने भारत को हाई जंप में ऐतिहासिक रजत पदक दिला दिया।

बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने वार्म-अप के दौरान घुटने में तेज दर्द महसूस किया। उन्होंने पहली ऊंचाई पार करने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने पर मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बावजूद वह स्टेडियम में मौजूद रहे और सर्वेश कुशारे के हर प्रयास पर नजर बनाए रखी।

सर्वेश ने बताया कि 2.25 मीटर की ऊंचाई पर उनकी लय बिगड़ गई थी और रन-अप छोटा पड़ने लगा था। ऐसे समय में तेजस्विन ने उन्हें रन-अप थोड़ा आगे से शुरू करने की सलाह दी, जिससे वह अपनी लय वापस हासिल कर सके और रजत पदक जीतने में सफल रहे।

बस एक दिन दर्द नहीं चाहिए था, लेकिन वही दिन आ गया

मुकाबले के बाद भावुक नजर आए तेजस्विन ने कहा, 'वार्म-अप के दौरान मेरे घुटने में अचानक तेज दर्द हुआ। यह कोई नई समस्या नहीं है। मुझे लंबे समय से टेंडोनाइटिस की दिक्कत है। लगभग हर हाई जंपर इस परेशानी से जूझता है, लेकिन आज यह दर्द ऐसे दिन बढ़ गया, जब मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन था कि मैं पदक जीत सकता हूं, लेकिन पहली ही ऊंचाई पार नहीं कर सका। यह बहुत तकलीफ देता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह पैटेलर टेंडन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से हुआ। कुछ असाधारण नहीं है, लेकिन आज यह अचानक बढ़ गया और मेरा पूरा मुकाबला खराब हो गया।' तेजस्विन ने बताया कि उन्होंने आगे जोखिम नहीं लिया क्योंकि दो दिन बाद डेकाथलॉन स्पर्धा शुरू होनी है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अभी दो दिन हैं। मैं इन दो दिनों में पूरी कोशिश करूंगा कि चोट से उबर सकूं। मैं यहां छुट्टियां मनाने नहीं आया हूं। मैं डेकाथलॉन में जरूर उतरूंगा। अगर किसी तरह हाई जंप और लंबी कूद में दर्द को संभाल लिया, तो बाकी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव!

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : फूड फेस्टिवल में गोलीबारी, मची अफरा-तफरी, बच्चे समेत 4 लोग घायल

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल में रविवार रात हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत कम से कम चार लोग घायल हो गए। यह घटना स्पेस नीडल के पास स्थित एक कार्यक्रम स्थल में हुई। एक अस्पताल की प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने तुरंत इस घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी जारी नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से इस इलाके से दूर रहने की अपील की है। हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता सुसान ग्रेग ने बताया कि अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें एक छोटा बच्चा, 23 साल का एक युवक और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एक घायल की हालत गंभीर है। सिएटल सेंटर में पूरे सप्ताहांत बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल चल रहा था। एक चश्मदीद एस्टन वाकोनाबो ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फेस्टिवल में फोटो बूथ के लिए लाइन में खड़े थे। तभी किसी ने उन्हें पीछे से धक्का दिया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो बड़ी संख्या में लोग भागते हुए नजर आए। वाकोनाबो ने कहा, लोग छिप रहे थे। एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। कई लोग जमीन पर गिर रहे थे और बच्चों की गाड़ियां भी गिर रही थीं।

बोस्निया के 5 पर्वतारोहियों की भीषण तूफान से मौत की आशंका

साराजेवो, एजेंसी। यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर आए भीषण तूफान में बोस्निया के पांच पर्वतारोहियों की मौत की आशंका है। बोस्नियाई पर्वतारोही बचाव सेवा ने रविवार को यह जानकारी दी। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि समूह के दो अन्य सदस्यों को सुरक्षित बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। अधिकारियों को 5,350 मीटर की ऊंचाई पर दो शव मिले हैं, जिन्हें मौसम ठीक होने पर नीचे लाया जाएगा। तीन अन्य शवों की तलाश जारी है। 5,642 मीटर ऊंचा माउंट एल्ब्रस अचानक बदलते खराब मौसम के लिए जाना जाता है। मीडिया के मुताबिक, सात सदस्यीय इस दल में एक दंपती और एक डॉक्टर भी शामिल थे।

अंतरिक्ष कचरे की निगरानी के लिए चीन ने शुरू किया वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क का प्रक्षेपण

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अंतरिक्ष कचरे की निगरानी और चौबीसों घंटे सभी कक्षाओं में लक्ष्यों का पता लगाने के लिए अपने पहले वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क गैडे कॉन्स्टेलेशन का प्रक्षेपण शुरू कर दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कंप्यूटर से लैस इस 120 उपग्रहों वाले नेटवर्क का पहला उपग्रह शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी चीन से लिजियान-1 वाणिज्यिक रॉकेट के जरिये छोड़ा गया। यह मिशन तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इसके 2030 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे चीन की अंतरिक्ष यातायात प्रबंधन क्षमता मजबूत होगी, टकराव से बचाव संभव होगा और उसके वाणिज्यिक व सैन्य अभियानों को सुरक्षा मिलेगी।

इमरान खान की रैली पर रोक, अदालत जाएगा पीटीआई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 5 अगस्त को लाहौर में रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह दिन इमरान खान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम का था। पीटीआई के महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि लाहौर के डिप्टी कमिश्नर ने शांतिपूर्ण सभा की अनुमति संबंधी आवेदन पर कोई जवाब नहीं दिया, जिसे अनुमति से इनकार माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब रैली की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। प्रेस वार्ता में पीटीआई नेताओं ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालिया हिंसा पर भी चिंता जताई। उनका दावा है कि विवादित शरणार्थी सीटों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान 100 से अधिक लोगों की मौत हुई।

क्यूबा की क्रांति समारोह में नहीं दिखे राउल कास्त्रो

हवाना, एजेंसी। क्यूबा ने रविवार को 26 जुलाई 1953 की ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की वर्षगांठ पर पारंपरिक समारोह आयोजित किया, लेकिन 95 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। पिछले तीन दशक में यह पहला अवसर है जब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उनकी गैरमौजूदगी पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। यह आयोजन फिदेल और राउल कास्त्रो द्वारा तत्कालीन तानाशाह फुल्गेंसियो बतिस्ता के खिलाफ मोनकाडा और कार्लोस मैनुअल डे सेस्पेडेस बैरकों पर 26 जुलाई 1953 को किए गए हमले की याद में किया जाता है।

मुझे गिरफ्तार नहीं करा पाएंगे: न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी पर बरसे नेतन्याहू

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। ममदानी ने कहा था कि यदि नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क आते हैं तो उन्हें युद्ध अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जरूर जाएंगे।

जोहरान ममदानी ने क्या कहा था : पिछले सप्ताह ममदानी ने कहा था कि न्यूयॉर्क सिटी के पास अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन उन्होंने संघीय सरकार से इसे लागू करने की अपील की थी। फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स विद मारिया बार्टिरोमो' में नेतन्याहू ने कहा, 'एक मेयर को सभी न्यूयॉर्कवासियों-यहूदियों, ईसाइयों, मुसलमानों और अन्य समुदायों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। लेकिन वह एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।'

इस्राइल-गाजा युद्ध को लेकर विवाद क्यों बढ़ा : गाजा में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर नेतन्याहू लगातार विवादों के केंद्र में रहे हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को हमास के लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इस्राइल पर किए गए घातक हमले के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान चलाया। बाद में ईरान के साथ संघर्ष और दक्षिणी लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ भी इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की।

आईसीसी के आरोपों पर नेतन्याहू ने क्या कहा : नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा लगाए गए युद्ध अपराधों के आरोपों को 'फर्जी' बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी के शीर्ष अभियोजक पर लगे यौन दुराचार के आरोपों और उनके पद से हटाए जाने के बाद यह स्पष्ट है कि गिरफ्तारी वारंट ध्यान भटकाने की कोशिश थी।

क्या अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला समर्थन कमजोर पड़ रहा : नेतन्याहू ने चिंता जताई कि अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का पारंपरिक समर्थन अब कमजोर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रगतिशील और वामपंथी डेमोक्रेट नेताओं के कारण पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ रहे हैं।

अमेरिका में यहूदी समुदाय को लेकर क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में बढ़ती यहूदी विरोधी घटनाओं (एंटीसेमिटिज्म) पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, जहां दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी यहूदी आबादी रहती है, वहां के कई यहूदी स्वयं को असहज और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

ममदानी ने चुनाव प्रचार के दौरान क्या वादा किया था : मेयर चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने कहा था कि यदि वह चुने गए तो न्यूयॉर्क पुलिस को ढ्ढष्ट के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का निर्देश देंगे। हालांकि, पिछले सप्ताह उन्होंने स्वीकार किया कि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है और उन्होंने संघीय सरकार से कार्रवाई करने की अपील की। ममदानी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि बेंजामिन नेतन्याहू का न्यूयॉर्क शहर में स्वागत नहीं है और न ही किसी ऐसे व्यक्ति का, जिस पर युद्ध अपराधों के आरोप हों।' उन्होंने यह भी कहा कि न्यूयॉर्क में विरोध प्रदर्शन की अभिव्यक्ति का हमेशा सम्मान किया जाएगा। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के दिवंगत नेता पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप लगाए हैं। वहीं, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इज़राइली सैन्य कार्रवाई में 73,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग आधी महिलाएं और बच्चे हैं। दूसरी ओर, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के शुरुआती हमले में लगभग 1,200 लोग, जिनमें अधिकांश आम नागरिक थे, मारे गए थे।

क्या ट्रंप ने नेतन्याहू को गिरफ्तारी से सुरक्षा का भरोसा दिया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी भी परिस्थिति में बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के साथ संदेशों का आदान-प्रदान जारी : ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान और कतर सहित कुछ मध्यस्थ देशों के जरिए ईरान के साथ संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ईरानी मीडिया ने ऑस्ट्रियाई प्रसारक ओआरएफ को दिए गए उनके इंटरव्यू के हवाले से यह जानकारी दी। इस्माइल बघाई ने इंटरव्यू में कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत के लिए पहले 'उचित माहौल' तैयार होना चाहिए। उनका कहना था कि अमेरिका ने ऐसा माहौल खुद ही नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने अमेरिका पर ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौता ज्ञापन की सभी शर्तों का व्यवहार में उल्लंघन करने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा कि इस समय ईरान की प्राथमिकता अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना तथा अपने लोगों को उन युद्ध अपराधों से बचाना है, जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए जा रहे हैं। 18 जून को हुए समझौते के तहत अमेरिका और ईरान को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत करनी थी। हालांकि, पिछले दो सप्ताह में दोनों देशों के बीच तनाव और झड़पें बढ़ने के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में उन्होंने अपनी सरकार की इस नीति को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'वे इस समय हमसे बात कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे अभी इसके लिए तैयार हैं। अभी सही समय नहीं है। लेकिन मैं उनकी बात सुनने को तैयार हूं।' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका, ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते कि वॉशिंगटन डीसी, हमारे अन्य शहर, इजरायल या पूरा मध्य पूर्व किसी परमाणु हथियार से तबाह हो जाए।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान की सैन्य क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को बहुत कड़ा झटका दिया है।' ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी हैं और 250 विमान, 159 नौकाएं, रडार सिस्टम तथा अपनी ड्रोन क्षमता का बड़ा हिस्सा खो दिया है।

पाकिस्तान में तड़प-तड़पकर मर रहे लोग; आईसीयू में जगह नहीं, वेंटिलेटर की भारी कमी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। देश की राजधानी इस्लामाबाद के सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की भारी किल्लत हो गई है। इसकी वजह से चिकित्सा सेवा पूरी तरह चरमरा गई है। आईसीयू लगातार फुल है और गंभीर स्थिति वाले मरीजों को भी वेंटीलेटर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

ऐसे में इंतजार के दौरान ही कई लोगों की तड़प तड़पकर मौत हो जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार आबिद रजा काजमी की मौत के बाद यह संकट एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। जानकारी के मुताबिक स्ट्रोक आने के बाद डॉक्टरों ने काजमी को वेंटिलेटर पर रखने की सलाह दी थी। हालांकि पीआईएमएस में आईसीयू के सभी 12 वेंटिलेटर फुल थे। परिजन जब तक उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल शिफ्ट करते, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया। पाकिस्तानी न्यूजपेपर डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद के दो सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों, क्लीनिक और पॉलीक्लिनिक अस्पताल की हालत बेहद खस्ता है। PIMS के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. राणा इमरान सिकंदर ने बताया है कि अस्पताल के अलग-अलग आईसीयू में 90 से ज्यादा वेंटिलेटर हैं, लेकिन लगभग 100 फीसदी वेंटिलेटर हमेशा भरे रहते हैं। अस्पताल के प्रवक्ता डॉ. अब्दुल जब्बार भुट्टो के मुताबिक यहां भी सभी 35 वेंटिलेटर लगातार ऑक्यूपाइड रहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक इस संकट के पीछे कई बड़े कारण हैं। PIMS अस्पताल का निर्माण तब हुआ था जब इस्लामाबाद की आबादी मात्र 5 लाख थी। आज यह अस्पताल देशभर के लगभग 50 लाख लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर रहा है। इसके अलावा निजी अस्पतालों में आईसीयू का खर्च 3 लाख रुपये प्रति दिन तक पहुंच गया है। इस भारी भरकम खर्च की वजह से बड़ी संख्या में लोग आज भी सरकारी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। इसके अलावा अस्पतालों का कहना है कि सिर्फ मशीनें बढ़ा देने से समस्या हल नहीं होगी।

होर्मुज स्ट्रेट में बड़ा हादसा! समुद्री माइन से टकराने के बाद ऑयल टैंकर में विस्फोट, मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। रविवार को ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग (Sea Mine) से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज कथित तौर पर ईरान द्वारा निर्धारित शिपिंग रूट से हट गया था, जिसके बाद यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि टैंकर ने निर्धारित समुद्री मार्ग का पालन नहीं किया और इसी दौरान वह बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया। हालांकि, अभी तक जहाज के मालिक, उसके गंतव्य, चालक दल की स्थिति या नुकसान की वास्तविक सीमा को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है असर : यह घटना दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस तरह की किसी भी घटना का असर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है। फिलहाल इस घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है।

इस बीच ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमीनिया ने कहा कि पिछले दो दिनों से अमेरिका की ओर से ईरानी ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। ऐसे में ईरान ने भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई को फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान की रणनीति हमेशा जवाबी कार्रवाई की रही है। जब अमेरिका ने हमले बंद किए, तो ईरान ने भी अपने सैन्य अभियान रोक दिए।

क्या फिर खुलेगा बातचीत का रास्ता : ईरान के इस फैसले के बाद दोनों देशों के बीच एक बार फिर कूटनीतिक बातचीत शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, दोनों देशों की सेनाएं अभी भी पूरी तरह सतर्क हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल अमेरिका ने भी ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान पर रोक लगा रखी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई फिलहाल होल्ड पर है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चेतावनी दे चुके हैं कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका पहले से कहीं अधिक बड़े स्तर पर हमला करने से पीछे नहीं हटेगा। वहीं, द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे की सैन्य कार्रवाई टालने की एक वजह अमेरिकी रक्षा प्रणाली, विशेष रूप से पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों के सीमित भंडार को भी माना जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि व्हाइट हाउस किसी बड़े युद्ध के आर्थिक और रणनीतिक प्रभावों का भी आकलन कर रहा है।

ईरान ने दी दोबारा जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : हालांकि फिलहाल हालात कुछ शांत दिखाई दे रहे हैं, लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि अमेरिका दोबारा उसके ठिकानों पर हमले शुरू करता है, तो वह भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करेगा। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

रूस ने रद्द की सेंट पीटर्सबर्ग नेवी डे परेड, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के डर से पुतिन का बड़ा फैसला, इंटरनेट भी ठप

सेंट पीटर्सबर्ग , एजेंसी। रूस ने सुरक्षा कारणों और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित होने वाली अपनी भव्य 'नेवी डे परेड' को लगातार दूसरे साल रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस अवसर पर मुख्य परेड में शामिल होने के बजाय नौसेना मुख्यालय 'एडमिरल्टी' में नाविकों को संबोधित किया।

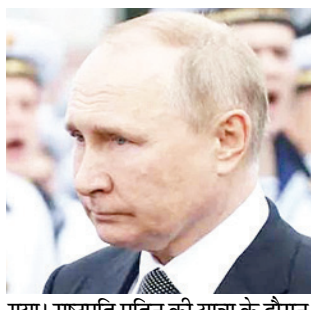

नेवी डे रूस का एक प्रमुख राष्ट्रीय अवकाश है, जिसे जुलाई के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। साल 2017 के बाद से ही इस दिन बाल्टिक, काला सागर और प्रशांत बेड़े के युद्धपोतों का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलता था, लेकिन इस बार सुरक्षा के नाम पर समारोहों को बेहद सीमित रखा गया। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में असाधारण सुरक्षा उपाय देखे गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुतिन के आगमन के दौरान शहर के बड़े हिस्से में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन की बढ़ती डीप-स्ट्राइक क्षमता, यानी रूस के भीतर गहराई तक हमला करने की ताकत ने क्रेमलिन को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस साल परेड के लिए कोई सैन्य आदेश जारी ही नहीं किए गए थे, क्योंकि अधिकारियों का मानना था कि यह इसके लिए सही समय नहीं है। सेंट पीटर्सबर्ग, यूक्रेन की सीमा से लगभग 1,100 किलोमीटर दूर स्थित है और राष्ट्रपति पुतिन का गृहनगर भी है। ऐतिहासिक रूप से यह शहर रूस की सबसे मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों से घिरा रहा है, लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेनी ड्रोनों ने इस सुरक्षा कवच में सेंध लगाई है। जून में आर्थिक फोरम के दौरान यहां के एक ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला हुआ था, वहीं हाल ही में 24 जुलाई को 'वाइल्डबेरीज' के गोदामों को निशाना बनाया गया, जिससे शहर के पुल्कोवो एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा था। परेड का रद्द होना पुतिन के उस प्रचार अभियान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसके जरिए वे रूस की सैन्य श्रेष्ठता प्रदर्शित करते रहे हैं। इससे पहले मई में मॉस्को की 'विक्ट्री डे परेड' को भी सुरक्षा कारणों से काफी छोटा कर दिया गया था। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हाल ही में घोषणा की है कि उनके पास रूस के भीतर हमला करने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक की रेंज वाले हथियारों की नई सूची तैयार है। फिलहाल, रूस अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों को यूक्रेनी ड्रोनों से बचाने की चुनौती से जूझ रहा है।

रूस को नाटो का करारा जवाब! रोमानिया ने एफ-16 से मार गिराया रूसी ड्रोन, 3 दिन में तीसरी घुसपैठ

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध की आंच अब पड़ोसी नाटो देशों तक पहुंचने लगी है। नाटो सदस्य देश रोमानिया ने रविवार को अपने हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराया। रोमानियाई वायुसेना ने इस कार्रवाई के लिए अपने आधुनिक एफ-16 फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया।

चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले तीन दिनों के भीतर रोमानियाई सीमा में घुसपैठ की यह तीसरी बड़ी घटना है, जिसने पूर्वी यूरोप में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 10:13 बजे की है। रोमानिया के समुद्री क्षेत्र के ऊपर, विशेष रूप से सुलिना-चिलिया इलाके में एक अज्ञात ड्रोन देखा गया था। नाटो के ऑपरेशनल कमांड के निर्देश पर फेतेस्टी एयरबेस से तत्काल दो एफ-16 फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी और काला सागर के ऊपर इस ड्रोन को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

प्रारंभिक जांच में अधिकारियों को पता चला है कि नष्ट किया गया ड्रोन शहेद प्रकार का था, जिसका इस्तेमाल रूसी सेना यूक्रेन के खिलाफ हमलों में बड़े पैमाने पर कर रही है। नाटो के सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोपके प्रवक्ता कर्नल मार्टिन ओ'डोनेल ने पुष्टि की कि यह हाल के समय में चौथी ऐसी घटना है जहां रोमानिया ने नाटो हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया है। रूस के बढ़ते ड्रोन खतरों से निपटने के लिए रोमानिया ने अपनी सुरक्षा को और मजबूत किया है। देश ने हाल ही में 'मेरोप्स' काउंटर-ड्रोन सिस्टम हासिल किया है। यह अत्याधुनिक प्रणाली तीन-फ़ीट लंबे सस्ते ड्रोन फायर करके आने वाले शहेद जैसे घातक ड्रोनों को हवा में ही ढेर करने में सक्षम है।

इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता : रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रूसी फेडरेशन की इन हरकतों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि रोमानिया के हवाई क्षेत्र का बार-बार उल्लंघन मंजूर करने लायक नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि मई में भी एक रूसी ड्रोन रास्ता भटककर पूर्वी रोमानिया की एक रिहायशी इमारत से टकरा गया था, जिसमें दो लोग घायल हुए थे। इस संकट की घड़ी में नाटो के अन्य सदस्य देश भी रोमानिया के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। बेल्जियम ने रूसी घुसपैठ को यूरोपीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताते हुए रोमानिया के साथ अपनी मजबूती जाहिर की है। वर्तमान में, नाटो की पूर्वी सीमा की सुरक्षा के लिए बेल्जियम के 300 सैनिक रोमानिया में तैनात हैं।

बर्लिन प्राइड परेड पर जानलेवा हमला, एक की मौत कई घायल; संदिग्ध भी मारा गया

बर्लिन, एजेंसी। बर्लिन प्राइड' पर हुए जानलेवा हमले के संदिग्ध को रविवार को शहर के बाहरी इलाके में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली मारकर मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 29 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बर्लिन के मध्य क्षेत्र में हुए हमले के बाद लगभग 24 घंटे तक चली तलाश के उपरांत लेबनानी मूल के जर्मन नागरिक अब्दुल बल्लूट को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला।

आईएस में शामिल होने की कर चुका था कोशिश : बर्लिन प्राइड हमले का संदिग्ध व्यक्ति पहले इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह में शामिल होने की कोशिश कर चुका था। जर्मनी के अभियोजकों ने रविवार को यह कहा। अधिकारियों ने एक 'वॉन्टेड' नोटिस जारी किया और लोगों को चेतावनी दी कि वे लेबनानी अब्दुल बल्लूट के पास न जाएं, क्योंकि वह हथियारबंद और खतरनाक हो सकता है। बल्लूट जर्मन नागरिक है और उसकी जड़ें लेबनान से जुड़ी हैं। उस पर आरोप है कि शनिवार रात प्राइड के समापन संगीत कार्यक्रम के पास उसने एक वैन भीड़ में घुसा दी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद उसने कथित तौर पर एक धारदार हथियार से कई और लोगों पर हमला किया।

गृह मंत्री ने क्या बताया : गृह मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कहाकि यहां हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उससे यही संकेत मिलता है कि हम एक इस्लामी आतंकी हमले से निपट रहे हैं। डोब्रिंट ने घायलों की कुल संख्या 29 बताई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति पहले भी कई अपराधों में शामिल होने के कारण अधिकारियों की नजर में था, हालांकि उन्होंने उन अपराधों का विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वह जर्मनी की राजधानी में कट्टरपंथी और इस्लामी चरमपंथी समूहों से जुड़े होने के कारण भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर में था।

लोगों को मिली सलाह : डोब्रिंट ने कहाकि संदिग्ध व्यक्ति को अतीत में बर्लिन में दोषी ठहराया गया था, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उसे किस मामले में दोषी ठहराया गया था। संदिग्ध की तलाश के लिए पुलिस ने शहर में अभियान चलाया। इसमें रविवार तड़के बर्लिन के श्योनेबर्ग प्रांत में एक अपार्टमेंट की तलाशी भी ली गई, लेकिन पुलिस ने बताया कि वहां कोई नहीं मिला। इस बीच चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शनिवार को हुए घातक हमले के बाद जर्मनी के लोगों से कहाकि वे समाज में आपसी फूट और डर का माहौल पैदा करने वाली बातों से बचें।

परेड में घुस गई वैन : इससे पहले पुलिस ने कहा था कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों से घटनास्थल तुरंत खाली करने की अपील की, ताकि एंबुलेंस और दमकल कर्मी राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे एक सफेद रंग की वैन टियरगार्टन पार्क में घुस गई। यह पार्क उस मार्ग के पास है, जहां से कुछ समय पहले 'प्राइड मार्च' गुजरा था। वैन ने कई लोगों को टक्कर मारी और बाद में एक पेड़ से जा टकराई। बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहाकि यह हमारे स्वतंत्र और उदार समाज पर हमला है। मुझे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों पर पूरा भरोसा है कि वे चौबीसों घंटे काम कर इस मामले की जांच करेंगी। इस बीच, अधिकारियों ने घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से आगे आने और उनके पास मौजूद वीडियो या तस्वीरें पुलिस को उपलब्ध कराने की अपील की। जर्मनी में 'क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे' के नाम से आयोजित होने वाली बर्लिन की 'प्राइड परेड' में शनिवार को भाग लेने के लिए लाखों लोग पहुंचे थे। यह यूरोप के सबसे बड़े 'एलजीबीटीक्यू प्लस' आयोजनों में से एक है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में मेमू ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। उमरगाम तालुका स्थित भिलाड रेलवे स्टेशन पर विरार से भरूच की ओर जा रही मेमू ट्रेन संख्या 19101 प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचने से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर घटी इस घटना में ट्रेन के फ्रंट डीएमसी यानी इंजन कोच के चार पहिए पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए इस हादसे से स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि इस डिरेलमेंट में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के समय ट्रेन में बड़ी संख्या में दैनिक यात्री, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और स्कूल-कॉलेज के छात्र सवार थे। ट्रेन के रुकते ही हड़बड़ाहट में यात्री डिब्बों से बाहर आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल तुरंत मौके पर पहुंचे। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अनुसार, स्थिति को सामान्य करने के लिए वलसाड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) और मेडिकल इक्विपमेंट की टीमों को दुर्घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। पटरी से उतरे डीएमसी कोच को दोबारा ट्रैक पर लाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। इस घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे कुछ ट्रेनों की आवाजाही में देरी हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने पटरी से उतरने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ट्रैक की स्थिति और इंजन की मैकेनिकल जांच कर रही है, जिसके बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

संसद परिसर में एनडीए सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए सांसदों ने पंजाब में सामने आए कथित परीक्षा अनियमितता के मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सरकार पर परीक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया। एनडीए सांसदों का कहना है कि पंजाब के फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में फार्मेसी परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया था, जिसने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने कहा कि जब देशभर में पेपर लीक और परीक्षा पारदर्शिता को लेकर गंभीर बहस चल रही है, ऐसे समय में राज्य सरकार को इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, संसद के भीतर भी सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रस्तावित है।

ग्रेटर नोएडा में अवैध रुप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार, आधार, पैन कार्ड भी बनवाए

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना बीटा-दो पुलिस ने बीती रात अवैध रुप से देश में रह रहे एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सांग जियाओमी (38) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा के एक सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक साल के लिए 26 जून 2019 से 25 जून 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। उन्होंने बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उन्होंने बताया कि उसने धोखाधड़ी करके वीजा खत्म होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया। वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली है। इसकी एक तीन साल की बेटी है, और यह अपनी पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाता है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं वह भारत में रहकर जासूसी तो नहीं कर रहा था।

सौरभ हत्याकांड पर बहस पूरी, आरोपी मुस्कान और साहिल सजा को लेकर चिंतित

जेलर से बार-बार करते हैं सवाल, अगर दोष हुए तो उन्हें कितनी मिलेगी सजा?

मेरठ (एजेंसी)। बहुचर्चित नीले ड्रम सौरभ हत्याकांड की बहस लगभग पूरी हो चुकी है और मामला अंतिम चरण में है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आने वाले दिनों में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। इसी बीच मेरठ जिला जेल में बंद आरोपी मुस्कान और साहिल की बेचैनी भी लगातार बढ़ती जा रही है। जेल प्रशासन का कहना है कि जैसे-जैसे फैसले की घड़ी करीब आ रही है, दोनों आरोपियों की मानसिक स्थिति में बदलाव दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेरठ जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि कोर्ट में बहस अंतिम चरण में पहुंचने के बाद दोनों आरोपी काफी चिंतित रहने लगे हैं। वे अक्सर सजा को लेकर सवाल करते हैं। खास तौर पर उनकी सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि कोर्ट का फैसला क्या होगा और अगर दोष सिद्ध होता है तो उन्हें कितनी सजा मिलेगी? जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों आरोपियों की काउंसलिंग भी कराई जा रही है। जेल के डॉक्टर समय-समय पर उनकी मानसिक स्थिति की समीक्षा करते हैं ताकि वे तनाव की स्थिति से बाहर निकल सकें। जेल नियमों के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और दोनों को रोजाना परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक मुस्कान पिछले कुछ समय से धार्मिक गतिविधियों में भी ज्यादा समय बिता रही है। वह जेल में होने वाले भजन, कीर्तन और अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती है। इस मामले से जुड़ी एक और चर्चा मुस्कान की बेटी को लेकर भी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक पहले वह अपनी बच्ची को राधा नाम से पुकारती थी, लेकिन अब वह उसे मन्नत नाम से बुलाने लगी है। उधर साहिल भी फैसले को लेकर लगातार चिंता में है। जेल प्रशासन के मुताबिक वह भी कई बार अधिकारियों से बातचीत के दौरान मुकदमे की प्रोग्रेस और संभावित सजा के बारे में जानकारी लेने की कोशिश करता है।

कावेरी जल विवाद सुलझाने की पहल, सीएम थलपति करेंगे बड़ी बैठक

सालों साल पुराने मसले को सुलझाने की पहल शुरु

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। कावेरी जल विवाद को लेकर बुलाई गई यह बैठक भारतीय राजनीति और अंतरराज्यीय संबंधों में बेहद चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, मुख्यमंत्री थलपति विजय का यह कदम तमिलनाडु के पिछले तीन दशक पुराने पारंपरिक रुख से पूरी तरह अलग है। इससे पहले तमिलनाडु हमेशा सीधी बातचीत के बजाय अदालती फैसलों, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और ट्रिब्यूनल के आदेशों पर ही निर्भर रहा है।

तमिलनाडु का लंबे समय से यह मानना था कि कावेरी विवाद केवल दो मुख्यमंत्रियों की मेज पर बैठकर नहीं सुलझ सकता। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय इस लीक से हटकर 31 जुलाई से 3 अगस्त के बीच सीधी बातचीत का प्रस्ताव रख रहे हैं। यदि यह मुलाकात सफल होती है, तो पिछले 14 वर्षों में यह पहला अवसर होगा जब दोनों राज्यों के शीर्ष नेता आमने-सामने बैठकर इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करेंगे। विजय का उद्देश्य कानूनी अधिकारों से समझौता किए बिना संकट के समय पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस वार्ता की मुख्य वजह तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पैदा हुआ गंभीर जल संकट है। ट्रिब्यूनल के तय मानकों के अनुसार 1 जून से 23 जुलाई के बीच तमिलनाडु को करीब 32 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना चाहिए था, लेकिन उसे केवल 3.5 टीएमसी पानी ही प्राप्त हुआ है। पानी की भारी कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकी, इस पहल को लेकर तमिलनाडु में विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने कुछ आशंकाएं जताई हैं। आलोचकों का तर्क है कि सीधी बातचीत से कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को दरकिनार करने का मौका मिल सकता है या वह मेकेदातु डैम परियोजना पर तमिलनाडु का विरोध वापस लेने का दबाव बना सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं की वार्ता आपसी सौहार्द तो बढ़ा सकती है, पर यह सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल द्वारा तय अधिकारों का विकल्प नहीं बन सकती। राजनीतिक दृष्टिकोण से विजय के पास यह लाभ है कि कर्नाटक की सत्तासीन सरकार से उनके बेहतर संबंध हैं। हालांकि जल विवादों में अक्सर स्थानीय जनभावनाओं के आगे राजनीतिक रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। यदि विजय इस बैठक से राज्य के लिए तुरंत पानी हासिल करने में सफल रहते हैं, तो यह उनकी बड़ी कूटनीतिक जीत होगी, अन्यथा विफल रहने पर आलोचक इसे राजनीतिक अपरिपक्वता कहेंगे।

लद्दाख और तवांग के पास चीन ने तैनात किए 11 स्टील्थ फाइटर जेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ संबंधों में सुधार का दिखावा करने वाला चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब चीनी वायुसेना की बढ़ती गतिविधियों ने एक बार फिर उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास स्थित अपने प्रमुख एयरबेस पर पांचवीं पीढ़ी के 11 जे-20 माइटी ड्रैगन स्टील्थ फाइटर जेट्स की तैनाती कर दी है। वैंटॉर द्वारा ली गई जून के अंत और जुलाई की शुरुआत की सैटेलाइट तस्वीरों में चीनी एयरबेस पर भारी सैन्य जमावड़ा देखा गया है। शिनजियांग के होटन एयरबेस पर 7 जे-20 फाइटर जेट्स रनवे के पास तैनात दिखे। यह एयरबेस भारतीय वायुसेना के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण दौलत बेग ओल्डी एयरफील्ड से महज 245 किलोमीटर और लेह से लगभग 389 किलोमीटर की दूरी पर है। भारतीय सीमा के इतने करीब एक साथ इतने जे-20 जेट्स की मौजूदगी का यह पहला मामला है। इसके अलावा, तिब्बत के ल्हासा में स्थित डैम्सुंग एयरबेस पर भी चार जे-20 फाइटर जेट देखे गए हैं, जो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से केवल 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। चीन का जे-20 माइटी ड्रैगन रडार को चकमा देने में माहिर है और आधुनिक एईएसए रडार से लैस है। यह चीन का प्रमुख पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे रडार पर पकड़ना बेहद कठिन होता है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल जैसे उन्नत विमानों के बावजूद, भारत के पास वर्तमान में कोई स्टील्थ फाइटर जेट तैनात नहीं है। भारत अपने स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, लेकिन इसे भारतीय वायुसेना में पूरी तरह शामिल होने में अभी कम से कम एक दशक का समय लगेगा। चीन लगातार अपने जे-20 जेट्स का उत्पादन बढ़ा रहा है। जहां साल 2019 में चीन के पास करीब 50 जे-20 थे, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या 300 से अधिक हो चुकी है और 2030 तक इसके 1000 तक पहुंचने का अनुमान है। सीमा के पास चीन का यह घातक सैन्य जमावड़ा भारत की हवाई सुरक्षा और रणनीतिक तैयारियों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश कर रहा है।

राहुल गांधी विदेशी ताकतों के हाथों की 'कठपुतली' की तरह कर रहे काम

-बीजेपी सांसद दुबे बोले- विपक्ष के नेता पद से उन्हें हटाने का प्रयास करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के हाथों 'कठपुतली' की तरह काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें इस पद से हटाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव लाने का प्रयास करुंगा। दुबे ने कहा कि वह सरकार से 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी की विदेश यात्राओं, उनके सहयोगियों और उनके कथित 'गुप्त समझौतों' की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आग्रह भी करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने कहा कि वह केवल एक माध्यम हैं, जिसके जरिए विदेशी ताकतें काम करती हैं। सिर्फ इसलिए कि वह गांधी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, उन्हें इतना कद और प्रभाव हासिल है। बीजेपी ने कई मौकों पर राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि इन यात्राओं पर किया गया खर्च उनकी घोषित आय के अनुपात में नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2004 से 2026 तक उनकी किसी भी विदेश यात्रा के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। वह विदेश जाते हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि वह किससे मिलते हैं, वहां क्या करते हैं या कई आंदोलनों में भागीदारी के लिए धन जुटाने को लेकर कैसे चर्चा करते हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि विदेश यात्राओं में राहुल गांधी भारत की नीतियों के बारे में बोलने के बजाय देश और सरकार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता से जुड़े नियमों के मुताबिक जब भी वह विदेश यात्रा करते हैं तो उन्हें देश और सरकार की नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए, लेकिन राहुल गांधी ने अपनी सभी विदेश यात्राओं में भारत की नीतियों के बजाय देश, सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। कांग्रेस पर देश को अस्थिर करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए दुबे ने दावा किया कि देश को बांटने की 'साजिश' में पार्टी की 'सबसे बड़ी भूमिका' रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग देश को बांटने की साजिश में शामिल हैं, जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, उन्हें वित्त पोषित करने वाले लोग, धन उपलब्ध कराने वाले लोग और जो गतिविधियां हुई हैं- इन सभी में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है उस पर कार्रवाई हो

-सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी ने नीट प्रदर्शन को लीड किया। इसके अगुवाई में 20 जुलाई को संसद मार्च था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बर्बर एक्शन का आरोप लगाया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं होनी चाहिए। 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि जिसने भी ज्यादती की है और कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर तय नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो कानून को अपना काम करना चाहिए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए उन छात्रों को रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

जंतर-मंतर पर हुए हंगामा मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि छात्र प्रदर्शन के दौरान 250 पुलिसकर्मियों पर हमले की भी जांच होनी चाहिए। पता लगाया जाए कि हमला छात्रों ने किया या असामाजिक तत्वों ने। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य सभी घटनाओं की सच्चाई सामने लाना और जिम्मेदार लोगों की पहचान करना होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने असम, मध्य प्रदेश, यूपी, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई मामले को एकसाथ जोड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंदोलन में शामिल किसी भी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाए। सभी की सुनवाई व्यापक स्तर पर एकसाथ की जाएगी। छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोप एक हाई पावर जांच की मांग करते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जांच में पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों के आरोपों की भी जांच की जाएगी।

हालांकि, कोई आदेश पारित करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को अपना पक्ष हलफनामे के जरिए रखने का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने संबंधित राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया है, क्योंकि प्रस्तावित जांच में उन राज्यों में हुई हिंसा के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि सभी पक्षों का जवाब मिलने के बाद मामले में आगे के आदेश पारित किए जाएंगे।

बीजेपी का धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान करना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न''

-राहुल गांधी ने कहा- प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि संसद परिसर में बीजेपी के सांसदों ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान किया जाना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न'' है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि इसी व्यवस्था ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि प्रधान को इस्तीफा भी ''नैतिकता से नहीं, युवाओं के आक्रोश से डरकर'' देना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि आज उसी व्यक्ति को संसद में बीजेपी माला पहना रही है। यह कोई सम्मान नहीं लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न मनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का हर छात्र यह देख रहा है और इसमें शामिल हर चेहरे को याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधान शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे के बाद सोमवार को जब पहली बार संसद पहुंचे तो बीजेपी सांसदों उनका स्वागत किया। बिहार के दरभंगा से लोकसभा सदस्य गोपालजी ठाकुर ने उन्हें मिथिला की पारंपरिक टोपी और शॉल भी पहनाया गया।

तेज प्रताप को नहीं मिली राहत, अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेजप्रताप यादव को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। पटना की अदालत में पुलिस अधिकारियों पर हमला और हत्या के प्रयास के आरोपी पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव और छात्र नेता अभय आत्मन सिंह की नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई पूरी हो गई है, लेकिन अदालत ने अपना आदेश फिलहाल सुरक्षित रख लिया है।

अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी आरती उपाध्याय की अदालत में सोमवार को बेऊर केंद्रीय कारागार में बंद तेजप्रताप यादव की जमानत पर गहन बहस हुई। गांधी मैदान थाना पुलिस ने तेजप्रताप यादव और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिसकर्मियों की हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का दावा है कि इस हिंसक प्रदर्शन के दौरान गांधी मैदान थाना अध्यक्ष समेत आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। सुनवाई के दौरान तेजप्रताप यादव के वकील ने दलील दी कि राजनीतिक विद्वेष और विरोध के चलते पुलिस ने उनके मुवक्किल पर झूठा केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने तेजप्रताप को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए तुरंत नियमित जमानत पर रिहा करने की मांग की। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने यह आरोप भी लगाया कि तेजप्रताप के खिलाफ रविवार रात करीब 12:50 बजे प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि उन्हें उससे कई घंटे पहले ही गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया गया था। दूसरी तरफ, सरकारी वकील ने जमानत अर्जी का कड़ा विरोध किया। इसी मामले से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में पटना सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनीष कुमार उपाध्याय ने विधायक संदीप सौरभ समेत दर्जनों नेताओं और छात्रों की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पुलिस से उनके आपराधिक इतिहास और मेडिकल रिपोर्ट की मांग की है। इस मामले की अगली सुनवाई 1 अगस्त को होगी। गौरतलब है कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग और परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा 25 जुलाई को बिहार बंद का आह्वान किया गया था। इस प्रदर्शन के दौरान पटना, सारण, सिवान, औरंगाबाद और भागलपुर में हिंसा भड़क गई थी। पुलिस ने तेजप्रताप यादव को सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस पर हमले के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने की पीएम मोदी से मुलाकात, अहम मुद्दों पर की चर्चा

-पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा

बरनाला(एजेंसी)। पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लो ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से शिष्टाचार भेंट कर पंजाब से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, किसानों, उद्योग, बुनियादी ढांचे, युवाओं के लिए रोजगार, निवेश और संगठनात्मक गतिविधियों समेत कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मुलाकात को पंजाब के विकास और केंद्र-राज्य समन्वय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बैठक में केवल सिंह ढिल्लो ने पीएम मोदी को पंजाब की वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब की प्रगति के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत करना, कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ना, उद्योगों को प्रोत्साहन देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना समय की जरुरत है। उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि पंजाब की जनता विकास, सुशासन और पारदर्शिता की अपेक्षा रखती है। राज्य में निवेश बढ़ाने, सड़क एवं परिवहन नेटवर्क को सुदृढ़ करने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से पंजाब विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

पीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने, उद्योगों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े सकारात्मक सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा भी दिया। ढिल्लो ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और आम लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। पार्टी का लक्ष्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसेवा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ की क्राइम प्रोफाइल तैयार, 101 पर हत्या तो 284 पर लूट-डकैती के केस सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद 2,873 लोगों के पुलिस सत्यापन में 989 व्यक्तियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, बलात्कार, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध, अवैध हथियार और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त रहे लोग शामिल हैं। यह सत्यापन 'चलो संसद' मार्च के दौरान हुई हिंसा और झड़पों के बाद शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, जांच में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट और डकैती, 229 शस्त्र कानून, 135 झपटमारी, 19 अपहरण और 67 मादक पदार्थ संबंधी मामलों में पहले से आरोपित पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ बलात्कार, 25 के खिलाफ महिलाओं की लज्जा भंग या छेड़छाड़ तथा छह के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामले दर्ज मिले। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 65 से अधिक प्रदर्शनकारी और 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। इसी घटनाक्रम के बाद प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद लोगों का विस्तृत सत्यापन किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कई लोगों पर एक से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के मामलों से जुड़े 101 लोगों में से 42 दो या उससे अधिक मामलों में शामिल रहे, जबकि 12 के खिलाफ 10 या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार हत्या के प्रयास के 62 आरोपितों में 25 के खिलाफ दो या अधिक मामले पाए गए। लूट और डकैती के मामलों में शामिल 284 लोगों में से 155 के खिलाफ दो या अधिक तथा 31 के खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज मिले। बलात्कार के मामलों में शामिल 61 लोगों में से आठ और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपितों में छह के खिलाफ भी एक से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, मादक पदार्थ संबंधी मामलों में शामिल नौ लोगों का भी बहु-आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया। पुलिस के अनुसार, यह सत्यापन विभिन्न जिला पुलिस इकाइयों और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उपलब्ध आपराधिक डेटाबेस तथा डोजियर रिकॉर्ड के आधार पर किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों की आपराधिक पृष्ठभूमि की पहचान करना और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच में सहायता करना था। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस सत्यापन से प्राप्त निष्कर्ष हिंसा की जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए जाएंगे।